वाह रे मैं खुशनसीब आत्मा

1. रोज मुझे स्वयं भगवान निहारते हैं, मुझे नजरों से निहाल करते हैं।

2. मुझे विजयी रतन, मास्टर सर्वशक्तिवान, खुशी का देवता कहकर पुकारते हैं।

3. मेरे सिर पर अपना वरदानी हाथ रखकर मुझें वरदानों से भरपूर करते हैं।

4. मुझ आत्मा का सर्व दिव्यगुणों से श्रृंगार करते हैं।

5. मुझ आत्मा को ऊंच ते ऊंच स्वमान की सीट पर बिठाते हैं।

6. मुझे सारे विश्व की परिक्रमा करवाकर मन्सा सेवा कराते हैं।

7. मुझे भगवान बहुत प्यार करते हैं, बहुत दुलार करते हैं।

8. अविनाशी ज्ञान रतनों से झोली भर कर मालामाल कर देते हैं।

9. अतिन्द्रिय सुख के झूले, शान्ति के झूले, आनन्द के झूले में.....झुलाते हैं।

10. स्वयं भगवान अपने साथ मेरा कनेक्शन जोड़कर मेरे रोम-रोम को फुलकित कर देते हैं।

11. मेरी आंखों में समाकर मुझ से पूरे विश्व को सर्वशक्तियों की लाईट-माईट दिलाते हैं।

12. वाह रे मैं खुशनसीब आत्मा- स्वयं भाग्यविधाता मेरी जन्मपत्री बनाते हैं।

13. मुझे जन्म-जन्म के लिए राजाओं का राजा बना रहे हैं।

14. मुझ आत्मा को सर्वगुण सम्पन्न, सोलह कला संपूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी .....बना रहे हैं।

15. मुझ आत्मा को अनेक आत्माओं के कल्याण के लिए चुनकर धन्य-धन्य कर दिया।

16. मेरे पुण्य के खातें को भरपूर करने में मुझ आत्मा को सदैव प्रेरित करते हैं।

17. मुझ आत्मा को अनगिनत अविनाशी प्राप्तियों से भरपूर रखते हैं।

18. मुझ आत्मा को ज्ञान के मनन चिन्तन से हल्का कर मुस्कराना सिखाते हैं।

19. रोज अमृतवेले मुझ आत्मा को सर्वशक्तियों से फुलचार्ज करते हैं।

20. दिन-रात मेरे नयनों में समाए रहते हैं।

21. सचमुच भगवान मेरे पर पूरा फिदा हो जाते हैं।

22. स्वयं भगवान मेरे संस्कारों को रॉयल, दैवी संस्कार बनाते हैं।

23. सूर्य, चांद, सितारों से भी पार परमधाम से आकर मुझे पढ़ाते हैं।

24. मुझे देखकर स्वयं भगवान भी मुस्कराते हैं, मुझ में उमंग-उत्साह भरते हैं।

25. वाह मेरा मीठा बाबा, प्यारा बाबा, शिवबाबा, वाह रे मैं खुशनसीब आत्मा, वाह रे मेरा ब्राह्मण परिवार।